Name : .....

Roll No. : .....

कुल प्रश्नों की संख्या : **18**] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **7**

J-201001–A

विषय : हिन्दी (विशिष्ट)

समय : **3 घण्टे**] [पूर्णांक : **75**

निर्देश : (*i*) **सभी** प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न क्रमांक **1** वस्तुनिष्ठ प्रश्न है, जिसके खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न, खण्ड (ब) में उचित संबंध संबंधी प्रश्न एवं खण्ड (स) में रिक्त स्थानों की पूर्ति संबंधी प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 1 अंक निर्धारित है।

(*iii*) प्रश्न क्रमांक **2** से **6** तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा *30* शब्द है। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) प्रश्न क्रमांक **7** से **10** तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक उत्तर लगभग *50* शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) प्रश्न क्रमांक **11** से **15** तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक उत्तर लगभग *75* शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) प्रश्न क्रमांक **16** एवं **17** अपठित गद्यांश एवं पत्र-लेखन प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक निर्धारित हैं।

(*vii*) प्रश्न क्रमांक **18** दीर्घउत्तरीय प्रश्न (निबंध) है। इसका उत्तर लगभग *250* से *300* शब्दों में लिखिए। इस प्रश्न पर 8 अंक निर्धारित है।

प्रश्न-1 **(खण्ड-अ)** सही विकल्प चुनकर लिखिए : [1×5=5]

(*i*) 'अलकस' शब्द का अर्थ है :

(*अ*) मेहनत

(*ब*) आलस्य

(*स*) साहस

(*द*) ताकत

(*ii*) 'कन्यादान' कविता में संवाद हो रहा है :

(*अ*) माँ और बेटी के बीच

(*ब*) पिता और माँ के बीच

(*स*) सहेली और बेटी के बीच

(*द*) बेटी और पिता के बीच

(*iii*) ''देखता हूँ मैं स्वयंवर हो रहा है प्रकृति का अनुराग-अंचल हिल रहा है''—यह काव्य-पंक्ति है :

(*अ*) कन्यादान की

(*ब*) चंद्रगहना से लौटती बेर की

(*स*) साध की

(*द*) इनमें से कोई नहीं

(*iv*) घीसा ने अंतिम विदाई में अपनी गुरु माँ को क्या भेंट दी ?

(*अ*) आम

(*ब*) अमरूद

(*स*) बेर

(*द*) तरबूज

(*v*) मीरा के आराध्य थे :

(*अ*) राम

(*ब*) कृष्ण

(*स*) गणेश

(*द*) सरस्वती

प्रश्न–1 **(खण्ड–ब)** उचित संबंध जोड़िए : [1×5=5]

(क)		**(ख)**
(*i*) अपनी–अपनी बीमारी	–	निबंध
(*ii*) एक था पेड़ और एक था ठूँठ	–	व्यंग्य
(*iii*) अमर शहीद वीर नारायण सिंह	–	कविता
(*iv*) साध	–	कहानी
(*v*) मरिया	–	जीवनवृत्त

प्रश्न–1 **(खण्ड–स)** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : [1×5=5]

(*i*) देवदास बंजारे —— के शीर्षस्थ कलाकार थे।

(*ii*) अमरकंटक ने अपनी आत्मा से —— को जन्म दिया है।

(*iii*) निर्झर में गति है, —— है, वह आगे बढ़ता जाता है।

(*iv*) धरती के हीरा —— को कहा गया है।

(*v*) भूख तो अपने आप में एक —— होती है।

प्रश्न–2 काले माथे वाली चिड़िया किस तरह से मछली पकड़ती है ? [2]

प्रश्न–3 नीचे लिखे शब्दों में निहित प्रत्ययों को अलग कीजिए : [½+½+½+½=2]

(*अ*) लड़की

(*ब*) मालकिन

(*स*) ठकुराइन

(*द*) त्यागी

प्रश्न–4 कवि द्वारा घर के आंतरिक भाग **अथवा** अंत:पुर में आईना लटकाने का आशय क्या है ? [2]

प्रश्न–5 बदली हुई परिस्थितियों में अब राजदण्ड किसे बनाया जाएगा ? [2]

प्रश्न–6 रीतिबद्ध काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए। [1+1=2]

प्रश्न–7 शक्ति की आराधना 'जँवारा' का वर्णन कीजिए। [3]

प्रश्न–8 '' 'पुरस्कार' कहानी प्रेम और संघर्ष का अनूठा उदाहरण है।'' इस कथन के पक्ष में अपना विचार दीजिए। [3]

प्रश्न–9 लेखक की माँ को जेबकतरे ने पैसे क्यों भेजे ? [3]

प्रश्न–10 छायावाद की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए। [3]

प्रश्न–11 निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए : [4]

मैं यहाँ स्वच्छन्द हूँ,

जाना नहीं है।

चित्रकूट की अनगढ़ चौड़ी

कम ऊँची–ऊँची पहाड़ियाँ

दूर दिशाओं तक फैली हैं।

बाँझ भूमि पर

इधर–उधर रींवा के पेड़

काँटेदार कुरूप खड़े हैं।

अथवा

अमल धवलगिरि के शिखरों पर

बादल को घिरते देखा है।

छोटे-छोटे मोती जैसे

उसके शीतल तुहिन कणों को

मानसरोवर के उन स्वर्णिम

कमलों पर गिरते देखा है

बादल को घिरते देखा है।

प्रश्न-12 ''दुनियाँ में क्या नहीं ? कौन-सी चीज मैंने अपने हाथों पैदा नहीं की ?'' इस कथन को ध्यान में रखकर मजदूरों के द्वारा किए गए निर्माण कार्यों को अपने शब्दों में लिखिए। [4]

अथवा

बीमारी शब्द को लेखक ने किन-किन संदर्भों में प्रयोग किया है ? टैक्स को बीमारी के रूप में देखने का क्या आशय है ?

प्रश्न-13 सिकुमार की माँ क्या कहते-कहते रो पड़ी ? [4]

अथवा

''सुसकत आवत होही भइया मोर''—पंक्ति के अनुसार दुल्हन की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

प्रश्न-14 कवि ने जीवन की समानता, झरने से किन-किन रूपों में की है ? अपने शब्दों में लिखिए। [4]

अथवा

दृढ़ता और जड़ता में फर्क को पाठ में किस प्रकार बताया गया है ? उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न-15 मीरा को जो अमोलक वस्तु मिली है, उसके बारे में वे क्या-क्या बता रही हैं ? अपने शब्दों में लिखिए। [4]

अथवा

लेखक बनने के लिए शरत बाबू के क्या-क्या सुझाव थे ?

प्रश्न-16 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [1×5=5]

जीवन में समय का नियोजन ही सफलता की कुंजी है। समय का चक्र अपनी गति से चल रहा है या यूँ कहें कि भाग रहा है। अक्सर इधर-उधर, कहीं-न-कहीं से यह सुनने को मिलता है कि क्या करें, समय ही नहीं मिलता। वास्तव में, हम निरंतर गतिमान समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चल ही नहीं पाते और पिछड़ जाते हैं। चाणक्य ने कहा है—''जो व्यक्ति जीवन में समय का ध्यान नहीं रखता, उसके हाथ असफलता और पछतावा ही लगता है।'' कबीरदास जी ने भी 'काल करै सो आज कर, आज करै सो अब' कहकर काम को कल पर नहीं टालने की सीख दी है। समय जैसे बहुमूल्य धन को सोने-चाँदी की तरह संरक्षित नहीं रखा जा सकता क्योंकि समय तो गतिमान है। इस पर हमारा अधिकार तभी तक है, जब तक हम इसका सदुपयोग करें अन्यथा यह नष्ट हो जाता है।

प्रश्न :

(*i*) व्यक्ति जीवन की दौड़ में कब पिछड़ जाता है ?

(*ii*) चाणक्य के अनुसार, समय का ध्यान न रखने वाले व्यक्ति को जीवन में क्या मिलता है ?

(*iii*) जीवन में सफलता की कुंजी किसे बताया गया है और क्यों ?

(*iv*) समय जैसे बहुमूल्य धन को सोने-चाँदी के समान क्यों नहीं रखा जा सकता ?

(*v*) कबीरदास जी की सीख यदि न मानी जाए तो उसका क्या परिणाम होगा ?

(*vi*) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न-17 मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ उठाने हेतु मुख्यमंत्री कार्यालय को आवेदन-पत्र लिखिए। [1+3+1=5]

अथवा

अपनी बड़ी बहन के विवाह की तैयारियाँ संबंधी जानकारी देते हुए अपनी सहेली / दोस्त को पत्र लिखिए।

प्रश्न-18 निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग *250-300* शब्दों में निबंध लिखिए : [1+1+4+2=8]

(*i*) छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी : नरवा, गरुवा, घुरुवा, बारी

(*ii*) मोबाइल फोन : लाभ-हानि

(*iii*) युवाओं में बढ़ती हिंसा वृत्ति

(*iv*) स्वच्छ भारत—स्वस्थ भारत

(*v*) योग का महत्व

(*vi*) प्लास्टिक-मुक्त भारत

———